प्रमाण-पत्र

मैं प्रमाणित करता हूं कि श्री हेमराज ने "चण्डीगढ़, पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों की माध्यमिकता की हिंदी पाठ्य-पुस्तकों का मानव-मूल्यों के संदर्भ में विश्लेषणात्मक अध्ययन" विषय पर अपना शोध-प्रबंध पंजाब विश्वविद्यालय की पी-एच. डी उपाधि के लिए मेरे निर्देशन में निर्धारित समय में संपूर्ण किया है। यह इनकी मौलिक कृति है। इस पर इन्हें अथवा अन्य किसी को पहले कोई शोधोपाधि प्राप्त नहीं हुई है।

श्री हेमराज अपने चरित्र और व्यवहार से शोधोपाधि के योग्य हैं। मैं इन्हें अपना शोध-प्रबंध पंजाब विश्वविद्यालय की पी-एच. डी. उपाधि के लिए प्रस्तुत करने की सहर्ष अनुमति देता हूं।

दिनाँक
17/2/88

डॉ. धर्मपाल मैनी
प्रोफेसर, हिंदी विभाग पंजाब विश्वविद्यालय
चण्डीगढ़

समर्पण

तीन लोक नौ खण्ड में, गुरु से बड़ा न कोय,
करता करे न कर सके, गुरु करे सो होय ।।

...

हिंदी साहित्य के मूर्धन्य विद्वान, भारतीय संस्कृति तथा मानव-मूल्यों के आदर्श एवं संरक्षक चारित्रिक एवं नैतिक शिक्षा के व्याख्याता, साहित्य में कई पारितोषिकों के विजेता, सिद्धांत तथा व्यवहार में समरस, साहित्य के अन्वेषण के लिए स्नेह एवं प्रेरणा के स्रोत तथा मनीषी, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, हिंदी भाग के प्राध्यापक पूज्य गुरुवर डॉ. धर्मपाल मैनी, एम. ए. पीएच. डी., डॉ. लिट. के कर कमलों में सहृदय और श्रद्धा से समर्पित ।

हेमराज

। हेमराज । 17/2/88

.....
...
.